✧˖°*❋ ❋*°˖✧

श्री सूर्य देव – ऊँ जय सूर्य भगवान
(Shri Surya Dev Om Jai Surya Bhagwan lyrics)

✧˖°*❋ ❋*°˖✧

॥ श्री सूर्य देव – ऊँ जय सूर्य भगवान॥

ऊँ जय सूर्य भगवान,
जय हो दिनकर भगवान ।
जगत् के नेत्र स्वरूपा,
तुम हो त्रिगुण स्वरूपा ।
धरत सब ही तव ध्यान,
ऊँ जय सूर्य भगवान ॥
॥ ऊँ जय सूर्य भगवान..॥

सारथी अरूण हैं प्रभु तुम,
श्वेत कमलधारी ।
तुम चार भुजाधारी ॥
अश्व हैं सात तुम्हारे,
कोटी किरण पसारे ।
तुम हो देव महान ॥
॥ ऊँ जय सूर्य भगवान..॥

ऊषाकाल में जब तुम,
उदयाचल आते ।
सब तब दर्शन पाते ॥
फैलाते उजियारा,
जागता तब जग सारा ।
करे सब तब गुणगान ॥
॥ ऊँ जय सूर्य भगवान..॥

संध्या में भुवनेश्वर,
अस्ताचल जाते ।
गोधन तब घर आते॥
गोधुली बेला में,
हर घर हर आंगन में ।
हो तव महिमा गान ॥
॥ ऊँ जय सूर्य भगवान..॥

देव दनुज नर नारी,
ऋषि मुनिवर भजते ।
आदित्य हृदय जपते ॥
स्त्रोत ये मंगलकारी,
इसकी है रचना न्यारी ।
दे नव जीवनदान ॥
॥ ऊँ जय सूर्य भगवान..॥

तुम हो त्रिकाल रचियता,
तुम जग के आधार ।
महिमा तब अपरम्पार ॥
प्राणों का सिंचन करके,
भक्तों को अपने देते ।
बल बृद्धि और ज्ञान ॥
॥ ऊँ जय सूर्य भगवान..॥

भूचर जल चर खेचर,
सब के हो प्राण तुम्हीं ।
सब जीवों के प्राण तुम्हीं ॥
वेद पुराण बखाने,
धर्म सभी तुम्हें माने ।

तुम ही सर्व शक्तिमान ॥
॥ ऊँ जय सूर्य भगवान..॥

पूजन करती दिशाएं,
पूजे दश दिक्पाल ।
तुम भुवनों के प्रतिपाल ॥
ऋतुएं तुम्हारी दासी,
तुम शाश्वत अविनाशी ।
शुभकारी अंशुमान ॥
॥ ऊँ जय सूर्य भगवान..॥

ऊँ जय सूर्य भगवान,
जय हो दिनकर भगवान ।
जगत के नेत्र रूवरूपा,
तुम हो त्रिगुण स्वरूपा ॥
धरत सब ही तव ध्यान,
ऊँ जय सूर्य भगवान ॥

॥ Shri Surya Dev Om Jai Surya Bhagwan ॥

Om jai Surya Bhagawan,
Jai ho Dinakar Bhagawan ॥
Jagat ke netra swaroopa,
Tum ho trigun swaroopa ॥
Dharat sab hi tav dhyaan,
Om jai Surya Bhagawan ॥

Sarathi Arun hain prabhu tum,
Shwet kamaldhari ॥
Tum chaar bhujaadhari ॥
Ashva hain saat tumhaare,
Koti kiran pasaare ॥
Tum ho dev mahaan ॥
Om jai Surya Bhagawan ॥

Usha kaal mein jab tum,
Udayaachal aate ॥
Sab tab darshan paate ॥
Phailaate ujiyaara,
Jagt tab jag saara ॥
Kare sab tab gun gaana ॥
Om jai Surya Bhagawan ॥

Sandhya mein Bhuvaneshwar,
Astaachal jaate ॥
Godhan tab ghar aate ॥
Godhuli bela mein,
Har ghar har aangan mein ॥

Ho tav mahima gaana ॥
Om jai Surya Bhagawan ॥

Deva danuj nar naari,
Rishi munivar bhajate ॥
Aaditya hruday japate ॥
Strot ye mangalkaari,
Iski hai rachna nyaari ॥
De nav jeevanadaan ॥
Om jai Surya Bhagawan ॥

Tum ho trikaal rachiyata,
Tum jag ke aadhaar ॥
Mahima tab aparmpaar ॥
Pranon ka sinchan karke,
Bhakton ko apne dete ॥
Bal vridhi aur gyaan ॥
Om jai Surya Bhagawan ॥

Bhoochar jal char khechar,
Sab ke ho pran tumhi ॥
Sab jeevon ke pran tumhi ॥
Ved puran bakhaane,
Dharm sabhi tumhein maane ॥
Tum hi sarv shaktimaan ॥
Om jai Surya Bhagawan ॥

Poojan karti dishaayein,
Pooje dash dikpaal ॥
Tum bhuvanon ke pratipaal ॥
Rituyein tumhaari daasi,

Tum shashwat avinaashi ||
Shubhkaari anshumaan ||
Om jai Surya Bhagawan ||

Om jai Surya Bhagawan,
Jai ho Dinakar Bhagawan ||
Jagat ke netra ruvaroopa,
Tum ho trigun swaroopa ||
Dharat sab hi tav dhyaan,
Om jai Surya Bhagawan ||

✧˖┈┈°*❋ ❋*°┈┈˖✧

Free download PDF of all types of mantra, stotram,vandana,arati:
chalisapdf.net